तमिलनाडु का बढ़ता औद्योगिक जल-संकट: निवेश-अपील पर खतरा

समाचार-संदर्भ: 11-12 नवंबर 2026

प्रकाशन: 12 नवंबर 2026

प्रिलिम्स: तमिलनाडु की अर्थव्यवस्था, NITI आयोग की रिपोर्टें

मुख्य परीक्षा: GS-I - भूगोल (जल-संसाधन); GS-III - अर्थव्यवस्था (औद्योगिक विकास, निवेश)

खबरों में क्यों

द हिंदू के 11-12 नवंबर 2026 के अग्रलेख **"Tamil Nadu's growing industrial water challenge"** ने चेतावनी दी है कि **कमजोर जल-सुरक्षा तमिलनाडु की निवेश-अपील और औद्योगिक वृद्धि की संभावनाओं को कमजोर** कर सकती है। अग्रलेख का निष्कर्ष है: "सफल निवेश और औद्योगिक टिकाऊपन के लिए मजबूत जल-शासन और विवेकपूर्ण उपभोग अनिवार्य हैं।"

NITI आयोग के IFI में तमिलनाडु

जुलाई 2026 में जारी NITI आयोग की **निवेश-मित्रता सूचकांक (Investment Friendliness Index - IFI)** रिपोर्ट - राज्यों की निवेश आकर्षित और टिकाऊ रखने की तैयारी का पहला इस तरह का मूल्यांकन - में तमिलनाडु **गुजरात और महाराष्ट्र के बाद तीसरे** स्थान पर है। कुशल कार्यबल, मजबूत विनिर्माण आधार और उद्यम-मित्र नीतियों के कारण राज्य अग्रणी निवेश-गंतव्य है; MoU-रूपांतरण दर ऊंची, वायु गुणवत्ता सूचकांक औसत से 22% बेहतर और आपदा-तैयारी की धारणा भी मजबूत है।

परंतु रिपोर्ट राज्य की तीन प्रमुख कमियां भी गिनाती है: **सीमित अंतर्राष्ट्रीय हवाई कनेक्टिविटी, चेन्नई पत्तन का बुनियादी ढाँचा-दबाव, और भू-बंद (landlocked) व वर्षा-छाया (rain-shadow) जिलों में अपर्याप्त औद्योगिक जल-आपूर्ति**।

जल-सुरक्षा बनाम औद्योगिक विस्तार

अग्रलेख का केंद्रीय प्रश्न: **जल-सुरक्षा से समझौता किए बिना क्या तमिलनाडु अपना औद्योगिक आधार बढ़ा सकता है?** प्रायद्वीपीय राज्य होने के कारण हिमालयी नदियों जैसा बहती हुई जल-स्रोत उपलब्ध नहीं; कावेरी जैसी नदियों पर पहले से सिंचाई, पेयजल और अंतर-राज्यीय दावे टिके हैं। औद्योगिक मांग बढ़ने से भूजल पर दबाव बढ़ता है और कृषि-पेयजल से प्रतिस्पर्धा तीखी होती है।

परीक्षा के लिए महत्त्व

- **कुंजी तथ्य:** IFI जुलाई 2026, तमिलनाडु तीसरा स्थान; कमियां - हवाई कनेक्टिविटी, चेन्नई पत्तन, औद्योगिक जल-आपूर्ति।
- **विश्लेषण-कोण:** विकास-निवेश और जल-संसाधन टिकाऊपन का तालमेल; जल-शासन (water governance) को निवेश-नीति का हिस्सा बनाना।
- **संभावित भ्रम:** IFI में तमिलनाडु पहले नहीं, तीसरे स्थान पर है - गुजरात और महाराष्ट्र आगे हैं।

मुख्य परीक्षा अभ्यास प्रश्न

"निवेश-आकर्षण और जल-सुरक्षा परस्पर प्रतिस्पर्धी लक्ष्य नहीं, पूरक हैं।" तमिलनाडु के संदर्भ में टिप्पणी कीजिए। (250 शब्द, 15 अंक)

उत्तर की रूपरेखा:

भूमिका में: NITI आयोग IFI (जुलाई 2026) में तमिलनाडु का तीसरा स्थान और अग्रलेख की चेतावनी का संदर्भ।

मुख्य भाग में: तालमेल के पक्ष - औद्योगिक जल-मांग का दक्षतापूर्वक प्रबंधन (पुनःचक्रण, अपशिष्ट-जल उपचार, वर्षा-संचयन), rain-shadow जिलों में लक्षित आपूर्ति, जल-शासन सुधार से निवेशक-विश्वास; जोखिम - भूजल-अतिदोहन, कृषि से प्रतिस्पर्धा, जल-गहन उद्योगों का अनुचित विस्तार।

निष्कर्ष में: जल-सुरक्षा को निवेश-नीति की शर्त मानकर ही तमिलनाडु अपनी औद्योगिक बढ़त टिकाऊ बना सकता है।

प्रिलिम्स परीक्षा अभ्यास प्रश्न

NITI आयोग के निवेश-मित्रता सूचकांक (IFI), जुलाई 2026 के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:

1. इसमें तमिलनाडु तीसरे स्थान पर है
2. इसमें गुजरात पहले और महाराष्ट्र दूसरे स्थान पर है
3. यह राज्यों की निवेश आकर्षित करने की तैयारी का मूल्यांकन करता है

उपर्युक्त कथनों में से कितने सही हैं?

(a) केवल एक
(b) केवल दो
(c) तीनों
(d) कोई नहीं

उत्तर और व्याख्या

उत्तर: (c)

तीनों कथन सही हैं - IFI (जुलाई 2026) में गुजरात, महाराष्ट्र के बाद तमिलनाडु तीसरे स्थान पर है; रिपोर्ट राज्यों की निवेश आकर्षित व टिकाऊ रखने की तैयारी मापती है।

द हिंदू के अग्रलेख के अनुसार तमिलनाडु की कमियों में कौन-सा शामिल नहीं है?

(a) सीमित अंतर्राष्ट्रीय हवाई कनेक्टिविटी
(b) चेन्नई पत्तन का बुनियादी ढाँचा-दबाव
(c) वर्षा-छाया जिलों में अपर्याप्त औद्योगिक जल-आपूर्ति
(d) कुशल कार्यबल की कमी

उत्तर और व्याख्या

उत्तर: (d)

कुशल कार्यबल तमिलनाडु की ताकत है, कमी नहीं। शेष तीनों IFI द्वारा गिनाई गई कमियां हैं।

स्रोत

द हिंदू (अग्रलेख): Tamil Nadu's growing industrial water challenge, 11-12 नवंबर 2026